जी20

जगदीशन ए के[1] एवं धीरज शर्मा [2]

जी20 ग्रुप अंतार्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच है। यह सभी प्रमुख अंतार्राष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक रूप देने, शासन को आकार देने और सुदृढ़ करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत के पास 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक जी20 की अध्यक्षता का अवसर है।

जी20 की स्थापना वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए एक मंच के रूप में एशियाई वित्तीय संकट के बाद 1999 में हुई थी। जी20 समूह का नेतृत्वकर्ताओं के स्तर पर उन्नयन 2007 के वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संकट के मद्देनजर देश और सरकार के प्रमुखों के स्तर पर किया गया, और 2009 में इसे "अंतार्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रीमियर फोरम" नामित किया गया। जी20 शिखर सम्मेलन आवर्ती आधार पर अध्यक्षता के स्वरूप में वार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है। जी20 ने आरंभ में बड़े पैमाने पर व्यापक आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया था, लेकिन बाद में अपने एजेंडे का विस्तार किया है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ व्यापार, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और भ्रष्टाचार मुद्दे शामिल हैं। जी20 अध्यक्षता के रूप में प्रमुख जिम्मेदारी है कि अन्य सदस्यों के परामर्श से और वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकास को देखते हुए जी20 में आवश्यक एजेंडों को एक साथ लाना, भारत इस दिशा में बखूबी आगे बढ़ रहा है। जी20 के समूह में 19 देश (अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका) और यूरोपीय संघ शामिल हैं। जी20 के सदस्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 85% का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसके साथ-साथ यह समूह वैश्विक व्यापार के 75% से अधिक और दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। जी20 समूह में बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन, संयुक्त अरब अमीरात अतिथि देश के रूप में हैं। इसमें आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय संगठन अर्थात यूएन, आईएमएफ, डब्ल्यूबी, डब्ल्यूएचओ, डब्ल्यूटीओ,

[1] भाकृअनुप- भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बंगलुरु
[2] भाकृअनुप - राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल

आईएलओ, एफएसबी और ओईसीडी के अलावा जी20 के अध्यक्ष के रूप में भारत इस वर्ष आईएसए, सीडीआरआई और एडीबी को अतिथि अंतर्राष्ट्रीय संगठन के रूप में आमंत्रित करेगा।

जी20 की कार्य प्रणाली

जी20 अध्यक्षता के माध्यम से एक वर्ष के लिए जी20 एजेंडा का संचालन और शिखर सम्मेलन की मेजबानी का कार्य किया जाता है। जी20 में दो समानांतर ट्रैक हैं: वित्त ट्रैक और शेरपा ट्रैक। वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते हैं जबकि शेरपा वित्त ट्रैक के बाद शेरपा ट्रैक का नेतृत्व करते हैं। शेरपा पक्ष से जी20 प्रक्रिया का समन्वय सदस्य देशों के शेरपा द्वारा किया जाता है, जो नेताओं के व्यक्तिगत दूत हैं। वित्त ट्रैक का नेतृत्व सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों द्वारा किया जाता है। दो पटरियों के भीतर, गणितीय रूप से उन्मुख कार्य समूह हैं जिनमें सदस्यों के संबंधित मंत्रालयों के साथ-साथ आमंत्रित/ अतिथि देशों और विभिन्न अंतार्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेते हैं। वित्त ट्रैक का नेतृत्व मुख्य रूप से वित्त मंत्रालय करता है। ये कार्य समूह प्रत्येक प्रेसीडेंसी के कार्यकाल के दौरान नियमित रूप से मिलते हैं। शेरपा वर्ष के दौरान बातचीत की देखरेख करते हैं, शिखर सम्मेलन के लिए एजेंडा मदों पर चर्चा करते हैं और जी20 के मूल कार्य का समन्वय करते हैं। इसके अलावा, अनुबंध समूह है जो जी20 देशों के नागरिक समाज, सांसद, थिंक टैंक, महिलाएं, युवा, श्रम, व्यवसाय और शोधकर्ताओं को एक साथ लाते हैं। जी20 समूह का स्थायी सचिवालय नहीं है। प्रेसीडेंसी को ट्रोयका - पिछले, वर्तमान और आने वाले प्रेसीडेंसी द्वारा अनुसमर्थित किया गया है। भारत की अध्यक्षता के दौरान, ट्रोयका में क्रमशः इंडोनेशिया, भारत और ब्राजील शामिल होंगे।

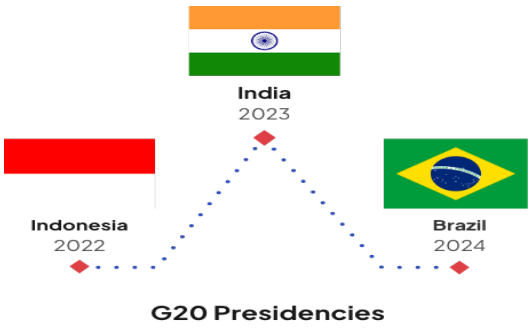

जी20 लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों केसरिया, सफेद, हरा, और नीला से प्रेरणा लेता है। यह भारत के राष्ट्रीय फूल कमल के साथ पृथ्वी ग्रह को जोड़ता है, जो चुनौतियों के बीच विकास को प्रदर्शित करता है। पृथ्वी जीवन के प्रति भारत के ग्रह-समर्थक दृष्टिकोण को दर्शाती है, जो प्रकृति के साथ पूर्ण सामंजस्य में है। जी20 लोगो के नीचे देवनागरी लिपि में लिखा गया है "भारत के G20 प्रेसीडेंसी का विषय -"वसुधैव कुटुम्बकम" या "एक पृथ्वी • एक परिवार • एक भविष्य" महा उपनिषद के प्राचीन संस्कृत पाठ से लिया गया है।" अनिवार्य रूप से, यह थीम सभी जीवन के मूल्य मानव, पशु, पादप और सूक्ष्मजीव - और ग्रह

पृथ्वी और व्यापक ब्रह्मांड में उनके परस्पर जुड़ाव की पुष्टि करता है।

जी20 का थीम लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) भी अपने संबद्ध, पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ, और जिम्मेदार विकल्पों के साथ, व्यक्तिगत जीवन शैली के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास के स्तर पर, वैश्विक रूप से परिवर्तनकारी कार्यों के लिए अग्रणी है, जिसके परिणामस्वरूप एक स्वच्छ, हरित और नीले भविष्य का निर्माण होता है।

लोगो और थीम एक साथ भारत के जी20 प्रेसीडेंसी का एक सशक्त संदेश देते हैं, जो दुनिया में सभी के लिए उचित और न्यायसंगत विकास के लिए प्रयास करने का है, जैसा कि हम इन अशांत समय के माध्यम से एक स्थिर, समग्र, जिम्मेदार और समावेशी तरीके से नेविगेट करते हैं। वे हमारे जी20 प्रेसीडेंसी, आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र के साथ सामंजस्य में रहने के लिए एक विशिष्ट भारतीय दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं।

"भारत के लिए, जी20 प्रेसीडेंसी 15 अगस्त 2022 को अपनी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ से शुरू होने वाले 25 वर्षीय अवधि "अमृतकाल" की शुरुआत भी है, जो अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी तक एक भविष्य, समृद्ध, समावेशी, और विकसित समाज की ओर अपने मूल में मानव-केंद्रित दृष्टिकोण रखते हुए अग्रसर हैं।

भारत द्वारा जी20 की अध्यक्षता

एक ऐतिहासिक क्षण में, भारत ने औपचारिक रूप से इंडोनेशिया से जी20 अध्यक्षता का पद ग्रहण किया। जी20 समूह, दुनिया की 20 प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच बनाता है। इस अवसर पर, प्रधान मंत्री ने जी20 प्रेसीडेंसी के लिए भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए एक लेख लिखा जो दुनिया भर के प्रकाशनों में प्रकाशित हुआ। अपने लेख में, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सद्भाव और आशा की प्रेसीडेंसी के लिए तत्पर है। भारत की जी20 प्रेसीडेंसी का एक प्रमुख तत्व जी20 को जनता के करीब ले जाएगा और इसे वास्तव में 'पीपुल्स जी20' बना देगा। इसे साकार करने के लिए, पूरे वर्ष विभिन्न जन भागीदारी गतिविधियों के माध्यम से नागरिक जुड़ाव और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक भागीदारी की योजना बनाई गई है। भारत की अध्यक्षता के पहले दिन को यादगार करने के लिए, कई गतिविधियों की योजना बनाई गई। इससे पहले दिन में, एक विशेष विश्वविद्यालय संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसने वस्तुतः देश भर के 75 विश्वविद्यालयों के छात्रों को एक साथ लाया। विदेश मंत्री, डॉ. एस. जयशंकर और प्रधान सचिव, श्री पी.के. मिश्रा इस कार्यक्रम के प्रतिष्ठित वक्ताओं में से थे। विश्वविद्यालय कनेक्ट कार्यक्रम का उद्देश्य जी20 गतिविधियों में युवाओं को शामिल करना है। विभिन्न स्कूलों में विशेष जी20 सत्रों के माध्यम से स्कूल के छात्र भी

शामिल हुए। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 4(3) के अंतर्गत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा लोगों की भागीदारी को आगे बढ़ाते हुए, कोहिमा में हॉर्नबिल महोत्सव ने जी20 पर एक विशेष ध्यान केंद्रित किया। यूनेस्को की कुछ विश्व धरोहर स्थलों सहित एक सौ स्मारकों को विशेष रूप से प्रकाशित किया जा रहा है, और नागरिकों को इन रोशन स्मारकों के आसपास mygov पर एक सेल्फी अभियान में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। सैंड आर्टिस्ट श्री सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा में पुरी बीच पर भारत के जी20 लोगो की सैंड आर्ट बनाई। प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में शुरू की गई G20 वेबसाइट भी आज G20.org डोमेन में निर्बाध रूप से स्थानांतरित हो गई और भारत ने पिछले प्रेसीडेंसी पद से ट्विटर हैंडल @G20org सहित आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल को अपने हाथ में ले लिया। अपने जी20 प्रेसीडेंसी थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम'- 'वन अर्थ वन फैमिली वन फ्यूचर' से प्रेरणा लेते हुए, भारत 32 विभिन्न कार्य धाराओं में 50 से अधिक शहरों में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा और जी20 प्रतिनिधियों और मेहमानों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक झलक प्रदान करने और उन्हें एक विशिष्ट भारतीय अनुभव प्रदान करने का अवसर होगा।

युवराज सिंह

युवराज सिंह (जन्म 12 दिसंबर 1981) एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर और ऑलराउंडर हैं। युवराज ने चंडीगढ़ के डीएवी पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की। उन्होंने डीएवी कॉलेज, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री पूरी की। उन्होंने मेहंदी सगना दी और पुत्त सरदारा में बाल कलाकार के रूप में दो छोटी भूमिकाएँ भी की। वह अपनी शक्तिशाली बल्लेबाजी, असाधारण क्षेत्ररक्षण कौशल और बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। युवराज सिंह ने अपने करियर के दौरान खेल के तीनों प्रारूपों (टेस्ट, एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय और ट्वेंटी 20 अंतर्राष्ट्रीय) में भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया। 2012 में, युवराज को भारत सरकार द्वारा भारत के दूसरे सर्वोच्च खेल पुरस्कार अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। 2014 में, उन्हें भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया।